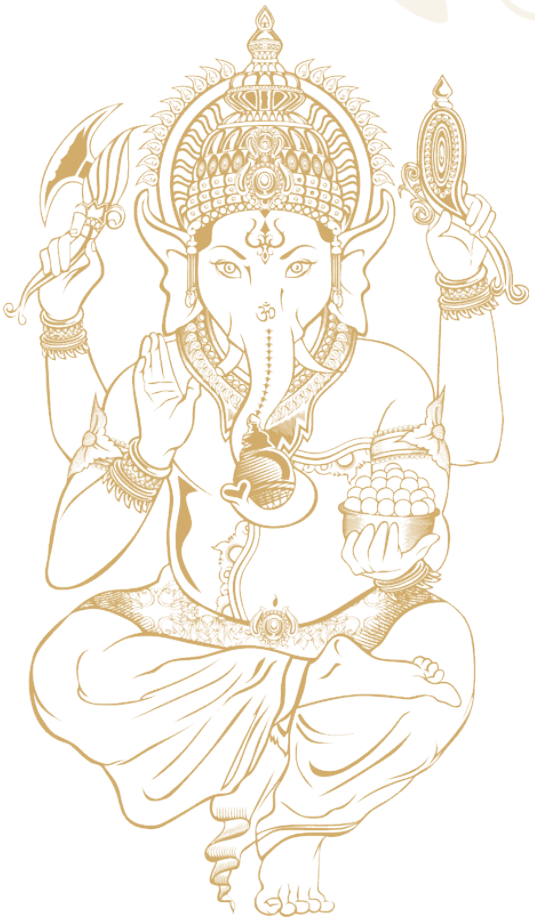

Mr.nikhil

Nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120526204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/11/1999	जन्म तिथि	26-27/01/2003
बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 06:20:54	जन्म समय(घटी)	56:40:11 घटी
India	देश	India
Nathdwara	स्थान	Khachrod
24:56:00 उत्तर	अक्षांश	23:25:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:38	सूर्योदय	07:11:24
17:50:01	सूर्यास्त	18:11:04
23:51:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 1वर्ष 10मा 2दि	25:50:11	वृश्चि	लग्न	धनु	23:07:38	शनि 17वर्ष 5मा 21दि
शुक्र	23:26:45	तुला	सूर्य	मक	12:44:29	बुध
12/09/2025	15:22:31	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	04:24:09	19/07/2020
12/09/2045	23:54:47	धनु	मंगल	वृश्चि	12:26:44	19/07/2037
शुक्र 12/01/2029	05:54:11	वृश्चि व	बुध	धनु	19:22:11	बुध 16/12/2022
सूर्य 12/01/2030	03:48:50	मेष व	गुरु व	कर्क	20:03:02	केतु 13/12/2023
चन्द्र 13/09/2031	07:16:42	कन्या	शुक्र	वृश्चि	26:35:27	शुक्र 13/10/2026
मंगल 12/11/2032	19:33:35	मेष व	शनि व	वृष	28:52:28	सूर्य 19/08/2027
राहु 12/11/2035	13:16:01	कर्क व	राहु	वृष	13:02:37	चन्द्र 18/01/2029
गुरु 13/07/2038	13:16:01	मक व	केतु	वृश्चि	13:02:37	मंगल 15/01/2030
शनि 12/09/2041	19:08:53	मक	हर्ष	कुंभ	03:40:09	राहु 03/08/2032
बुध 13/07/2044	07:56:30	मक	नेप	मक	16:37:01	गुरु 09/11/2034
केतु 12/09/2045	15:37:07	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:13:58	शनि 19/07/2037

लग्न-चलित

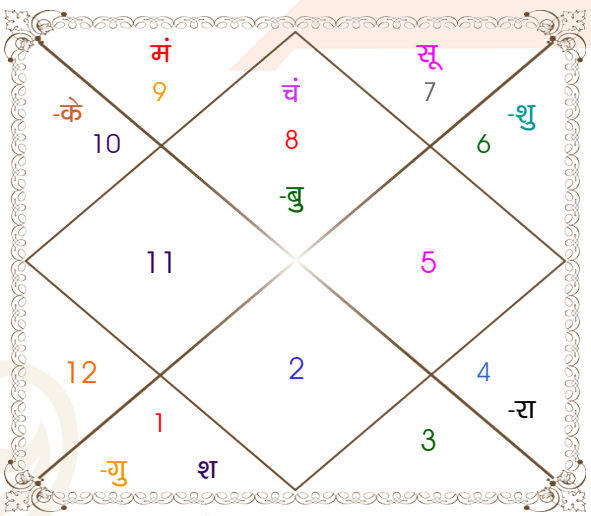

लग्न-चलित

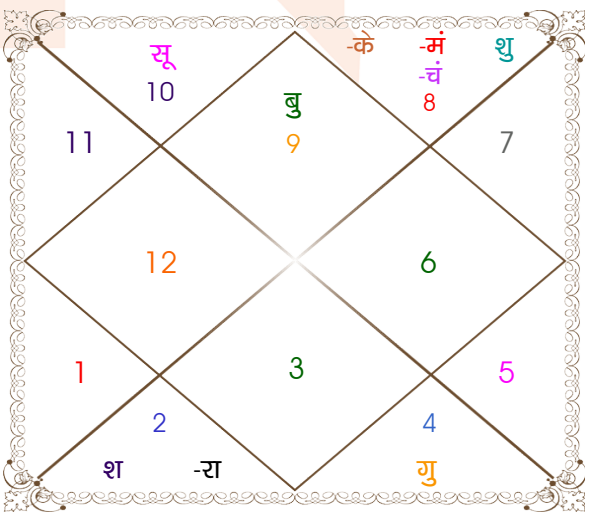

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.nikhil का वर्ग सर्प है तथा Nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.nikhil और Nivedita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.nikhil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Nivedita कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nivedita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.nikhil कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.nikhil तथा Nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।